केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 117 बुधवार 20 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

बिना वैध पंजीयन के बस्ती में चल रहे हैं 69 अस्पताल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले में निजी अस्पतालों की मनमानी जारी है। तमाम अस्पताल अब भी बिना वैध पंजीयन के संचालित हैं। बचाव के लिए ये अस्पताल वैसे तो पोर्टल पर लाइसेंस नवीनीकरण के लिए आवेदन कर दिए हैं, लेकिन पत्रावलियों को विभाग में जमा करने में देरी कर रहे। इससे विभाग भी परेशान हो गया है। अब ऐसे अस्पतालों पर कार्रवाई की तैयारी हो रही है। जिले में 244 अस्पताल पंजीकृत हैं। इन अस्पतालों को अप्रैल तक नवीनीकरण कराना होता है। लेकिन आठ माह बीत गए और अभी तक सिर्फ 175 का ही नवीनीकरण हो सका है। शेष 69 अस्पताल बिना वैध पंजीयन के संचालित हो रहे हैं। बचाव के लिए उन्होंने ऑनलाइन आवेदन किया है, लेकिन कागजात जमा करने में ढिलाई बरत रहे। इससे अस्पतालों का भौतिक सत्यापन नहीं हो पा रहा है।

अब विभाग ऐसे अस्पतालों पर टीम भेजकर कार्रवाई करेगा। इसके लिए टीम गठित किया जा चुका है। जल्द ही छापेमारी शुरू करने की योजना है। विभाग के अनुसार 175 अस्पतालों ने सारी प्रक्रिया पूरी करते हुए कागजात जमा कर दिए थे, उनका नवीनीकरण हो गया है।

मण्डलीय समीक्षा बैठक 21 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में विकास कार्यो की मासिक मण्डलीय समीक्षा बैठक 21 नवम्बर को पूर्वान्ह 10.30 बजे से आयुक्त सभागार में आयोजित किया जायेंगा। उक्त जानकारी देते हुए संयुक्त विकास आयुक्त संत कुमार ने बताया कि इसमें सी.एम. डैशबोर्ड पर उपलब्ध करायी गयी सूचनाओं के साथ–साथ विगत बैठक की अनुपालन आख्या की समीक्षा की जायेंगी। उन्होने यह भी बताया है कि बच्चों की प्रगति एवं प्राथमिकताओं के दृष्टिगत मण्डल स्तरीय स्टेक होल्डर्स की समीक्षा बैठक अपरान्ह 01.00 बजे से उक्त तिथि व स्थान पर आयोजित होगी।

रानी लक्ष्मीबाई देश की बहन बेटियों के लिए आदर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। स्वामी दयानन्द विद्यालय सुरतीहट्टा बस्ती में महारानी लक्ष्मीबाई की जयंती के अवसर पर आचार्य शैलेन्द्र के ब्रह्मत्व में वैदिक यज्ञ कर उनसे प्रेरणा प्राप्त कर देश की रक्षा का व्रत लिया गया। इस अवसर पर आचार्य शैलेन्द्र ने बताया कि राष्ट्ररक्षा के लिए शुभ संकल्प का होना आवश्यक है। मन हमारा प्रेरक होता है सात्विक आहार विहार से मन को शिवशंकल्प वाला बनाया जा सकता है। वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई ने मन की शक्ति से ही अंग्रेजों के छक्के छुड़ाए थे और अपने अदम्य साहस के बल पर पूरी दुनिया की महिलाओं में आज तक चेतनाशक्ति का जागरण कर रही हैं। आज पूरा देश उन्हें याद कर रहा है।ओम प्रकाश आर्य प्रधान आर्य समाज नई बाजार बस्ती ने बताया कि जब हम अपने देश की वीरांगना नारियों को याद करते हैं तो पूरे देश की महिलाओं की सुरक्षा का भाव हमारे भीतर पैदा होता है जिससे हम नारियों के प्रति आदर और सम्मान के भाव से भर जाते हैं। रानी लक्ष्मीबाई पूरे देश की बहन बेटियों के लिए आदर्श हैं। हमारी बेटियों को आज अपने देश की रक्षा के लिए शास्त्र और शस्त्र दोनों की शिक्षा ग्रहण करना चाहिए। इस अवसर पर सभी बच्चों और शिक्षकों ने वेदमन्त्रों से आहुतियां देते हुए रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य गाथा दोहराया। इस अवसर पर आदित्य नारायण गिरि, नितीश कुमार, दिनेश कुमार, अरविन्द श्रीवास्तव, अनूप कुमार त्रिपाठी, अनीशा मिश्रा, शिवांगी, आकृति द्विवेदी, महक मिश्रा सहित विद्यालय के बच्चे सम्मिलित रहे।

विपक्ष ने पैसे बांटने के आरोप पर भाजपा को घेरा

मुम्बई (आभा)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की वोटिंग से एक दिन पहले मंगलवार, 19 नवंबर को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े पर पैसे बांटने का आरोप लगा।

मुंबई के उपनगर विरार के होटल में चुनाव आयोग के अफसरों ने तावड़े के कमरे से 9 लाख रुपए और कागजात बरामद किए। इसका वीडियो सामने आया है। हालांकि चुनाव आयोग ने सिर्फ इतना कहा है कि कुछ सीज किया गया है। डिटेल में जानकारी नहीं दी है।

विपक्ष के आरोप के बाद चुनाव आयोग ने विनोद तावड़े और नालासोपारा से भाजपा कैंडिडेट राजन नाइक के खिलाफ लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराई है।

महाराष्ट्र में भाजपा पर लगे पैसे बांटने के आरोप पर विपक्ष ने हमला बोला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी, शिवसेना उद्धव के प्रमुख उद्धव ठाकरे, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और एनसीपी नेता सुप्रिया सुले ने भाजपा और चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि मोदी जी यह पांच करोड़ किसके सेफ से निकला है? जनता का पैसा लूटकर आपको किसने टेंपो में भेजा? उन्होंने कांग्रेस की ओर से एक्स पर पोस्ट किया गया वीडियो भी साझा किया।

वहीं शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि मामले में सबूतों के आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए। अन्यथा महाराष्ट्र खुद ही कार्रवाई करेगा। मैंने भगवान से प्रार्थना की कि महाराष्ट्र में भ्रष्ट राक्षसों का राज खत्म हो। मैंने प्रार्थना की है कि ऐसी सरकार आए जो महाराष्ट्र की संस्कृति को संवारेगी।

यूपी में 9 सीटों पर मतदान के लिये पहुंची पोलिंग पार्टिया

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माने जा रहे नौ सीटों के उपचुनाव के लिए सेट पूरी तरह तैयार हो गया है। वोटिंग कराने के लिए पोलिंग पार्टियां बूथों पर पहुंच चुकी हैं। बुधवार को सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा। प्रदेश की नौ सीटों अंबेडकरनगर की कटेहरी, मैनपुरी की करहल, मुजफ्फरनगर की मीरापुर, गाजियाबाद, मिर्जापुर की मझवां, कानपुर की सीसामऊ, अलीगढ़ की खैर, प्रयागराज की फूलपुर और मुरादाबाद की कुंदरकी में मतदान होगा। इनमें से आठ सीटें मौजूदा विधायकों के लोकसभा के लिए चुने जाने के बाद खाली हुई हैं, जबकि सीसामऊ में मौजूदा सपा विधायक इरफान सोलंकी को आपराधिक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद उपचुनाव हो रहा है।

उपचुनाव में कुल 90 उम्मीदवार मैदान में हैं। सबसे ज्यादा 14 उम्मीदवार गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र से मैदान में हैं। वहीं, सबसे कम पांच–पांच उम्मीदवार खैर (सुरक्षित) और सीसामऊ सीटों पर अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। बहुजन समाज पार्टी अपने दम पर सभी नौ सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

प्रधानाचार्य परिषद का जनपदीय सम्मेलन 23 को: जारी है सघन सम्पर्क

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रदेश नेतृत्व द्वारा जनपदीय कार्यकारिणी के अनुमोदन के बाद उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद का जनपदीय सम्मेलन और शैक्षिक संगोष्ठी 23 नवम्बर शनिवार को दिन में 10 बजे से श्रीकृष्ण पाण्डेय इण्टर कालेज बस्ती के सभागार में आयोजित किया गया है। सम्मेलन में जनपद के सभी प्रधानाचार्यों की उपस्थिति के लिए व्यापक सम्पर्क अभियान चलाया जा रहा है। परिषद जिलाध्यक्ष योगेश शुक्ल ने बताया कि सम्मेलन और संगोष्ठी में प्रधानाचार्यो से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता से उठाये जाने के साथ ही उसके निराकरण की दिशा में प्रभावी निर्णय लिये जायेंगे।

अभियान की कड़ी में परिषद के जिला संरक्षक डा संजय सिंह, अध्यक्ष योगेश शुक्ल, मंत्री डा हरेन्द्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष कृष्णदेव द्विवेदी, डॉ. बृजेश पासवान, डा मनोज सिंह, संजय कुमार द्विवेदी, संयुक्त मंत्री डॉ. प्रमोद उपाध्याय कोषाध्यक्ष विद्याधर वर्मा ने किसान इंटर कॉलेज भानपुर,संत कबीर इंटर कालेज मुहम्मदनगर, मेहीलाल इंटर कालेज असनहरा, आदर्श उमावि बरगदवा, बाबूराम सिंह इं कालेज मझौवा जगत,आदर्श इंटर कालेज सल्टौवा, औद्योगिक विकास इं कालेज बिहरा,नेशनल इंटर कालेज हरैया, महादेव शुक्ल कृषक इण्टरं कालेज गौर, उ0मा0वि0 इटवा कुनगाई,राम आसरे सिंह इंका सुमहीं,आमा टिनिच,आनंद इंटर कालेज बेलहरा विद्यालय पहुंचकर प्रधानाचार्यों से उनकी विद्यालयी समस्याओं पर चर्चा की। इसके साथ ही विश्वास दिलाया कि लम्बित समस्याओं के समाधान की दिशा में संगठन हर संभव प्रयास करेगा। इसके लिए आवश्यकता के अनुसार परिषद के प्रदेश नेतृत्व से भी सहयोग और परामर्श लिया जाएगा।

यह भी तय किया गया कि प्रधानाचार्य परिषद के सभी सदस्यों से निरंतर सम्पर्क बनाए रखने के लिए नियमित पाक्षिक या मासिक बैठकें भी की जाएंगी। जिससे किसी भी समस्या का समाधान आसान हो जाएगा।

10 दिसम्बर तक चलेगा हमारा शौचालय, हमारा सम्मान अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विश्व शौचालय दिवस के अवसर पर जिला स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेण्ट कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित हुयी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होने कहा कि वर्ड टायलेट डे को हमारा शौचालय, हमारा सम्मान अभियान 19 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक मनाया जायेंगा।

डीपीआरओ रतन कुमार ने बताया कि शौचालय निर्माण में समिति के अनुमोदनोपरान्त 2600 लाभार्थियों को प्रथम किश्त तथा 209 लाभार्थियों को द्वितीय किश्त जारी की जा चुकी है।

संचालन करते हुए जिला समन्वयक राजाशेर सिंह ने बताया कि मानवाधिकार दिवस 10 दिसम्बर को स्वच्छ शौचालय हेतु जिले के तीन धारको को सम्मानित किया जायेंगा।

बैठक में एडीएम प्रतिपाल चौहान, उप जिलाधिकारी शाहिद अहमद, शत्रुध्न पाठक, विनोद पाण्डेय, आशुतोष तिवारी, पीडी राजेश कुमार, डीपीआरओ रतन कुमार, डीआईओएस जगदीश शुक्ला, बीएसए अनूप तिवारी, सहायक निदेशक रेशम रितेश सिंह, ईओ नगरपालिका सुनिष्ठा सिंह, समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय, सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा, डीएसओ सत्यवीर सिंह, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, ईडीएम सौरभ द्विवेदी सहित संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

बस्ती मैराथन से पहले ठेकेदार ने नहीं बनवाई सड़क, डीएम को सौंपा ज्ञापनः कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। नेशनल एसोसिएशन ऑफ यूथ द्वारा आयोजित बस्ती मैराथन के दौरान सड़क व्यवस्था को लेकर बड़ी चूक सामने आई है। बस्ती विकास प्राधिकरण ने वादा किया था कि मैराथन से पहले मालवीय मार्ग को दुरुस्त कर दिया जाएगा। इसी वजह से आनन फानन में उसका टेंडर कराया गया। संबंधित ठेकेदार को अधिकारियों ने हिदायत भी दी थी कि मैराथन से पहले उसको इस तरह बना दिया जाए की धावकों को कोई परेशानी न होने पाए लेकिन वर्क एग्रीमेंट होने के बाद ठेकेदार ने सड़क के निर्माण और मरम्मत में कोई पहल नहीं की जिसका नतीजा यह रहा कि अंतिम समय में मैराथन के रूट को बदलना पड़ा। ऐसा करने से कई प्रांत के आए धावकों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा। धावकों ने इसे लेकर काफी असंतोष व्यक्त किया। बस्ती की पहचान बनी इस प्रतियोगिता में ठेकेदार की चूक और मनमानी के कारण अंतिम समय में व्यवस्था बदलनी पड़ी। जिससे जनपद ही नहीं बल्कि कई प्रदेशों तक जनपद की छवि को लेकर गलत संदेश गया। ऐसे में संबंधित ठेकेदार की मनमानी और असहयोग पूर्ण रवैया को देखते हुए जांच कराए जाने की आवश्यकता है। ऐसा प्रतीत होता है कि जानबूझकर किसी साजिश के तहत मैराथन प्रतियोगिता में विघ्न डालने के लिए सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई। नेशनल एसोसिएशन आफ यूथ के अध्यक्ष भावेष कुमार पांडेय ने इन विसंगतियों को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में ठेकेदार की जांच करने दुरभि संधि का खुलासा करने, मालवीय मार्ग के अनुबंध को निरस्त करने और ठेकेदारी का लाइसेंस निलंबित करने की मांग की गई है। साथ ही जनपद की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

जयंती पर महारानी लक्ष्मीबाई इंदिरा गांधी के योगदान पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति और कबीर साहित्य सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में महारानी लक्ष्मीबाई और पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी स्व. इंदिरा गांधी को जयंती पर शिद्दत से याद किया गया।

मुख्य अतिथि डा. वीके वर्मा ने कहा कि महारानी लक्ष्मीबाई और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की परिस्थितियां भले ही भिन्न थी लेकिन दोनों का मूल उद्देश्य समर्थ और शक्तिशाली भारत का निर्माण करना था। वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई 29 साल की उम्र में अंग्रेज साम्राज्य की सेना से युद्ध किया और रणभूमि में वीरगति को प्राप्त हुईं। इंदिरा गांधी ने देश को नई दिशा दी। दोनो स्त्री शक्ति से हमें प्रेरणा लेनी चाहिये। वरिष्ठ साहित्यकार डा. राम कृष्णलाल जगमग ने कविताओं के माध्यम से दोनों वीरांगनाओं को नमन् किया। बी.के. मिश्र, पं. सदानन्द शर्मा ने कहा कि रानी लक्ष्मी बाई और पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने अपने–अपने समय में देश को कई संकटों से उबारते हुये देश हित में सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

अध्यक्षता करते हुये बटुकनाथ शुक्ल ने कहा कि रानी लक्ष्मी बाई और पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी का योगदान सदैव याद किया जायेगा। अजमत अली एडवोकेट, ताहिर अली, चन्द्रमोहन लाल श्रीवास्तव, दीनानाथ यादव, मो. सामईन फारूकी, गणेश प्रसाद, नेबूलाल, पं. आदि ने महारानी लक्ष्मीबाई और पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी स्व. इंदिरा गांधी के व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य रूप से नन्दलाल यादव, ओम प्रकाश धर द्विवेदी, आचार्य छोटेलाल वर्मा, मेहीलाल यादव, गणेश मौर्य, दीनानाथ यादव, कृष्ण कुमार सिंह, कृष्णचन्द्र पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक संकुल बैठक में शैक्षिक गुणवत्ता पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया ब्लाक के जगदीशपुर न्याय पंचायत के संकुल शिक्षकों की मासिक बैठक कंपोजिट विद्यालय उभाई में मंगलवार को संपन्न हुई। शिक्षक संकुल प्रमोद त्रिपाठी, रवीश कुमार मिश्र, आदित्य सिंह, मस्तराम यादव, शिल्पी गुप्ता द्वारा शैक्षिक गुणवत्ता पर जोर देने के साथ ही शिक्षकों के बीच शैक्षणिक रणनीति को साझा किया गया। ग्रो फ्रेमवर्क का उपयोग, टीएलएम प्रदर्शनी पर कार्य, नैट तथा परख परीक्षा, पांच प्वाइंट टूल किट, सामूहिक मंथन की महत्व, ईकोक्लब की गतिविधियों पर चर्चा, निपुण लक्ष्य एप नियमित आकलन, निपुण बनाने हेतु कार्य योजना के क्रियान्वयन पर चर्चा, बेस्ट प्रैक्टिसेज की शेयरिंग पर चर्चा, रिमेडियल शिक्षण की रणनीतियों पर चर्चा, शिक्षक द्वारा समय सारणी के अनुपालन तथा प्रयोग आदि विषय पर विस्तृत चर्चा की गई। बताया गया कि सभी शिक्षक अपने विद्यालयों को तय समय में निपुण करें और विभाग द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं को सही ढंग से संपन्न कराएं। संकुल शिक्षकों द्वारा मासिक डीसीएफ बैठक के उपरान्त भरा गया।

इस अवसर पर विद्यासागर वर्मा, देवेन्द्र शुक्ल, साकेत मिश्र, मेराज अहमद, प्रदीप शुक्ल, मधुलिका द्विवेदी, सरिता, विमलेंद्र, राजकुमार सिंह, हनुमान वर्मा, ज्ञानदास, विनोद श्रीवास्तव, अविनाश सिंह, जीतेंद्र वरुण, बृजेश गुप्ता, महेंद्र वर्मा, अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

रोजगार सेवक पर आरोपः कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को कांग्रेस आरटीआई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से डीएम को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि हर्रैया तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत माझा में तैनात गांव के ही रोजगार सेवक कमलेश कुमार द्वारा की जा रही मनमानी की जांच कराकर प्रभावी कार्यवाही किया जाय।

ज्ञापन में कहा गया है कि रोजगार सेवक कमलेश कुमार की पत्नी श्रीमती प्रेमा देवी माझा में मनरेगा की मजदूर बनकर फर्जी तरीके से समय–समय पर भुगतान लेती रहती हैं जो मानकों के विरूद्ध है। ज्ञापन में जाब कार्ड की प्रति संलग्न करते हुये मांग किया गया है कि रोजगार सेवक कमलेश कुमार के गतिविधियों की जांच कर प्रभावी कार्यवाही कराने के साथ ही भ्रष्टाचार पर अंकुश लगवाया जाय।

कांग्रेस नेताओं ने जयन्ती पर इंदिरा गांधी को किया नमन्, योगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री, भारत रत्न से सम्मानित स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी की 107 वीं जयंती कांग्रेस पार्टी के कार्यालय पर विचार गोष्ठी के साथ मनाई गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके अदम्य साहस, कठोर फैसलों और दृढ इरादों को याद किया। कार्यक्रम का संचालन प्रवकता मो. रफीक खां ने किया। मुख्य अतिथि उ.प्र. कांग्रेस के उपाध्यक्ष केशवचन्द यादव ने कहा इन्दिरा गांधी शक्ति, समर्पण, साहस और संकल्प की मिसाल थीं।

उन्होने कभी अपने सिद्धान्तों से समझौता नही किया और न ही निर्णय लेने में देरी। बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर जहां आम जनमानस के लिये तरक्की का रास्ता खोला वहीं पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दुनिया का भूगोल बदलकर अपनी शक्ति का अहसास कराया। यदि उन्होने विस्फोटक इरादों के सामने सिर झुकाना कबूल किया होता तो उनकी हत्या न होती। उसर रास्ते पर चलकर राहुल गांधी ने एक ऐसे जननायक के रूप में अपनी छबि बनाई है जिसने झूठ, फरेब और नफरत की राजनीति को हाशिये पर लाकर समूचे देश में मोहब्बत की दुकान की खोलने की बात कही। विशिष्ट अतिथि दिलीप निषाद ने कहा हमे इन्दिराजी को अपने बीच महसूस करने की जरूरत है। उनके वसूलों पर चलकर हमे मौकापरस्तों को सत्ता से उखाड़ फेकंना है। जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू' ने कहा कांग्रेस पार्टी कई दशक से सत्ता में नही है, बावजूद इसके कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा है। आज समूचा देश इन्दिा गांधी का याद कर रहा है। मौजूदा राजनेताओं को उनकी जीवन शैली और निडरता से सबक लेना चाहयि। डपरपोक प्रधानमंत्री ने मणिपुर पर कोई फैसला लेना दूर उधर देखने का भी साहस नही जुटा पा रहे हैं।

इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष अनिरूद्ध तिवारी, लालजीत पहलवान, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डा. आलोक रंजन वर्मा, डा. वाहिद सिद्धीकी, जिपंस. अनिल कुमार भारती, विश्वनाथ चौधरी, महिला अध्यक्ष डा. शीला शर्मा, डीएन शास्त्री, धनाथ पटेल आदि ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से गिरजेश पाल, अवधेश सिंह, गंगा प्रसाद मिश्रा, सुरेन्द्र मिश्रा, शौकत अली नन्हू, अलीम अख्तर, पृथ्वीपाल चौधरी, सन्तराम, रंजना सिंह, पूजा सिंह, रामबचन भारती, निशान्त श्रीवास्तव, सर्वेश शुक्ल, रामचन्द्र चौहान, जयप्रकाश चौबे, संजीव त्रिपाठी, शिवभिूति मिश्रा, आनंद निषाद शीतला शुक्ला, बृजेश पाण्डेय, सुनील पांडे, फिरोज खान, मो. सिद्धीक, साधूसरन आर्य, इजहार अहमद, अमरबहादुर शुक्ल, लक्ष्मी यादव, राजेश भारती, रामबाबू, अब्दुल जब्बार, गुड्डू सोनकर, कवजय प्रकाश पाण्डेय, मंजू पाण्डेय, जमील अहमद, घनश्याम, दिलीप श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, शब्बीर अहमद, मो. अशरफ, दीपेन्द्र सिंह, अभिषेक सिंह, सरोजबाला कनौजिया, शकुन्ता देवी, शिवनरायन पाण्डेय, अतीउल्लाह सिद्धीकी, रामकृपाल दूबे सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

आईजीआरएस सन्दर्भो के निस्तारण में लापरवाही पर होगी सख्त कार्यवाही

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आईजीआरएस संदर्भो की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि संदर्भो का निस्तारण गम्भीरतापूर्वक व गुणवत्तापरक ढंग से करें। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होने सभी उप जिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले का स्तर मेनटेन करें। किसी भी दशा में प्रकरण डिफाल्टर श्रेणी में ना आने पाये। उन्होने जनपद में रूधौली तहसील को संदर्भो के निस्तारण में राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर प्रसंनता व्यक्त किया है और कहा है कि सभी तहसीलों के उप जिलाधिकारी संदर्भो के निस्तारण में उत्साहजनक कार्य करें। जनप्रतिनिधियों से संबंधित शिकायती मामलो में निस्तारण के समय उन्हें भी छायाप्रति अवश्य भेजें।

उन्होने कहा है कि विभागीय अधिकारियों द्वारा संदर्भो के निस्तारण में लापरवाही बतरने की दशा में उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेंगी। इसके दृष्टिगत निर्धारित समयावधि में संदर्भो का निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

बैठक में एडीएम प्रतिपाल चौहान, उप जिलाधिकारी शाहिद अहमद, शत्रुध्न पाठक, विनोद पाण्डेय, आशुतोष तिवारी, पीडी राजेश कुमार, डीपीआरओ रतन कुमार, डीआईओएस जगदीश शुक्ला, बीएसए अनूप तिवारी, सहायक निदेशक रेशम रितेश सिंह, ईओ नगरपालिका सुनिष्ठा सिंह, समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय, सेवायोजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा, डीएसओ सत्यवीर सिंह, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, ईडीएम सौरभ द्विवेदी के साथ ही संबंधित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 नवम्बर 2024 बुधवार

सम्पादकीय

प्राकृतिक चिकित्सा की दशा– दिशा

जब देश में हर अट्ठारह नवंबर को राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाने का संकल्प लिया गया तो इसका मकसद दवा रहित प्रणाली के माध्यम से सकारात्मक मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना था। जो प्राकृतिक चिकित्सा का उद्देश्य भी है। वर्ष 2018 में इस दिन की घोषणा करके आयुष मंत्रालय ने इस विश्व प्रसिद्ध वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति में प्राकृतिक संसाधनों और गतिविधियों के जरिये प्राकृतिक स्वास्थ्य को ठीक करने का राष्ट्रव्यापी संकल्प लिया। जिसका मकसद प्राकृतिक चिकित्सा के बारे में ज्ञान व जागरूकता का प्रसार करना था। भारतीय संस्कृति सदियों से प्रकृति की उपासक रही है। हमारे तमाम पर्व, त्योहार, पूजा पद्धति और जीवन शैली प्रकृति के अनुरूप ही रही है। दरअसल, कुदरत के विरुद्ध दिनचर्या और खानपान ही हमारी व्याधियों के मूल में होता है। जितना हम प्रकृति के विपरीत आचरण करते हैं उतना ही मनोकायिक रोगों की चपेट में आते जाते हैं। कुदरत ने भोजन, फलों और मसालों के रूप में तमाम ऐसी चीजें दी हैं जो हमें स्वस्थ रख सकती हैं। धरती में प्रकृति हर पल बदलाव की प्रक्रिया में सक्रिय रहती है। दरअसल, मौसम व प्रकृति के अवयवों में ये बदलाव इतने सूक्ष्म और निरंतर होते हैं कि हम परिवर्तन को महसूस ही नहीं करते कि कब पत्ते बने, कोंपलें फूटी, फूल से फल बने। इसी तरह हमारे शरीर में भी सत्ता और सूक्ष्म परिवर्तन निरंतर चलता रहता है जिसे हम दुनियावी फेर में पड़कर महसूस नहीं करते। शरीर की कोशिकाएं हर क्षण बदलती रहती हैं। शरीर बदलते मौसम के अनुरूप खुद को ढालता चलता है। इसी तरह प्राकृतिक चिकित्सा भी कायाकल्प की प्रक्रिया को धीरे–धीरे अंजाम देती है। आमतौर पर माना जाता है कि प्राकृतिक दिनचर्या के दौरान उपचार में 45 दिन का समय लगता है। लेकिन अब भागमभाग की जिंदगी में इसे एक सप्ताह तक सीमित कर दिया जाता है। निस्संदेह प्राकृतिक चिकित्सा की प्रक्रिया में समय लगता है, जिसके लिये रोगी को धैर्य की जरूरत होती है।

हमारे पौराणिक ग्रंथों व महापुरुषों की वाणी में प्रकृति के महत्व को देखा जा सकता है। गुरु नानकदेव जी की वाणी का प्राकृतिक जीवन के बारे में गुरबाणी में उल्लेख है– 'पवण गुरु पाणी माता धरति महतु।' यानी पवन हमारे गुरु हैं। यदि हवा प्रदूषित हो जाए तो जीवन पर संकट पैदा हो जाएगा। शुद्ध वायु में ही जीवन है। यदि हम प्राकृतिक संसाधनों को प्रदूषित करते हैं तो आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से खिलवाड़ करते हैं। दरअसल, प्राकृतिक चिकित्सा हमारी अराजक जीवन शैली को संयमित कर सकती है। कुछ ऐसे रोग जो उपचार योग्य नहीं माने जाते, उन पर अंकुश लगा सकती है। प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र से निकलने के बाद व्यक्ति अपने घर में आहार–विहार को संतुलित करने का प्रयास कर सकता है। हम सूरज के उगने से पहले उठें। धूप में न बैठने से हम विटामिन डी की समस्या से ग्रस्त हो जाते हैं, जिससे शरीर में कई रोग पैदा हो जाते हैं। आमतौर पर विदेशों में लोग नवंबर से जनवरी तक सूर्य स्नान लेते हैं जिससे लोगों को विटामिन–डी मिल जाता है। खतरा तो आर.ओ. का पानी भी है, जो हमारी बोन डेंसिटी कम करता है। दरअसल, आज आम लोग शारीरिक श्रम नहीं करते। खान–पान की चीजों में भारी मिलावट है। बाजार की शक्तियां कई तरह के भ्रम फैलाती हैं। दरअसल, प्रकृति साधना की चीज है। आज इसे हमने साधन बना दिया है। साधना से दूर होते लोग शारीरिक असंतुलन के शिकार होते हैं। वास्तव में अधिकांश आधुनिक रोग काम न करने की बीमारी है। हम लोग दिमाग को थका रहे हैं, शरीर को नहीं थका रहे हैं। इसी वजह से शरीर को भुगतना पड़ रहा है। आदमी पैदल नहीं चल रहा है। स्वस्थ रहने के लिये जरूरी है हम आहार सही ढंग से लें। दरअसल हमारा आहार दवा है। किचन में खानपान की वस्तुओं के औषधीय गुण हमारे खाने को संतुलित बनाते हैं और मौसमी रोग से उपचार करते हैं। रसोई में हल्दी, लौंग, जीरा, काली मिर्च आदि आयुर्वेदिक उपचार में सहायक होती हैं। दरअसल, भागमभाग की जिंदगी में व्यक्ति मेहनत करता नहीं, उठने का समय ठीक नहीं। खाने का टाइम निश्चित नहीं है। देर रात भोजन करना शरीर के साथ अत्याचार करने जैसा है। दरअसल, दवा का उपयोग कम से कम किया जाना चाहिए।

बुलडोजर न्यायः प्रशासनिक दक्षता और संवैधानिक अधिकारों के बीच टकराव

– डॉ.सत्यवान सौरभ–

बुलडोजर न्याय अक्सर उचित नोटिस या बचाव का मौका जैसी कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर देता है, जो संविधान में निहित निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार को चुनौती देता है। हाल ही में हुए विध्वंस में, परिवारों को न्यूनतम नोटिस दिया गया, जो अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है जो जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करता है। यह प्रथा निर्दोषता की धारणा का खंडन करती है, जहाँ व्यक्तियों को बिना किसी परीक्षण या दोषसिद्धि के दोषी माना जाता है, जो कानून के शासन का उल्लंघन है। उत्तर प्रदेश में, बिना किसी ठोस सबूत के केवल आरोपों के आधार पर संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया, सबूत के कानूनी मानकों की अवहेलना की गई। विध्वंस न केवल अभियुक्तों पर बल्कि परिवारों और समुदायों पर भी प्रभाव डालता है, जो सामूहिक दंड के विरुद्ध सिद्धांत का उल्लंघन करता है। मध्य प्रदेश में, एक सदस्य की कथित संलिप्तता के कारण विध्वंस ने परिवारों को बेघर कर दिया, जिससे निर्दोष आश्रित प्रभावित हुए। बुलडोजर न्याय कार्यकारी और न्यायिक भूमिकाओं को धुंधला कर देता है, क्योंकि प्रशासनिक निकाय अनुच्छेद 50 का उल्लंघन करने वाले न्यायालयों के लिए दंड निष्पादित करते हैं। न्यायालय के निर्देशों के बिना संपत्तियों को ध्वस्त करना अधिकारियों को उनके दायरे से बाहर काम करते हुए दिखाता है, जो न्यायपालिका की भूमिका का उल्लंघन करता है।

जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय ने उजागर किया है, उचित नोटिस या सुनवाई का अभाव प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, जिससे उन्हें बचाव का कोई अवसर नहीं मिलता। बुलडोजर न्याय प्रशासनिक दक्षता और अतिक्रमणों पर त्वरित कार्यवाही को बनाए रखता है। अनधिकृत संरचनाओं के त्वरित विध्वंस से शहरी विकास में देरी खत्म होती है और भूमि प्रबंधन प्रक्रियाएँ सुव्यवस्थित होती हैं। दिल्ली (2023) में, जहाँगीरपुरी जैसे क्षेत्रों में विध्वंस अभियान का उद्देश्य अवैध निर्माण की रिपोर्ट सामने आने के बाद सार्वजनिक स्थानों को जल्दी से पुनः प्राप्त करना था, जिससे शहरी विकास परियोजनाओं का सुचारू कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। अवैध निर्माण के तत्काल परिणाम एक शक्तिशाली चेतावनी के रूप में कार्य करते हैं, जो भविष्य में उल्लंघन को हतोत्साहित करते हैं। अतिक्रमित क्षेत्रों का तेजी से पुनर्ग्रहण उनके उचित उपयोग को सुनिश्चित करता है, जिससे बेहतर शहरी शासन और सार्वजनिक उपयोगिता में योगदान मिलता है। निर्णायक कार्यवाही राज्य की कानूनों को बनाए रखने की क्षमता को मजबूत करती है, जिससे शासन में जनता का विश्वास बढ़ता है। लंबे समय तक चलने वाली कानूनी और नौकरशाही देरी को दरकिनार करके, यह लागत को कम करता है और भूमि विवादों के समाधान में तेजी लाता है। दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन (2023) की तैयारियों के दौरान, क्षेत्र को सुंदर बनाने और सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्रमुख स्थलों के पास से अतिक्रमण को तेजी से हटाया गया, जिससे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए प्रभावी संसाधन प्रबंधन का प्रदर्शन हुआ।

जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघनरू उचित प्रक्रिया के बिना तोड़फोड़ अनुच्छेद 21 का उल्लंघन करती है, जो आश्रय के अधिकार सहित जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी देता है। ओल्गा टेलिस बनाम बॉम्बे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में, सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया कि आवास अधिकार जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग हैं, हाल ही में हुई तोड़फोड़ में इस सिद्धांत का उल्लंघन किया गया। विध्वंस नीतियों को लागू करने में एकरूपता की कमी प्रक्रियात्मक मनमानी को जन्म देती है, जो संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करती है। पूजा स्थलों या सांस्कृतिक महत्त्व के स्थलों को नष्ट करना, धर्म का पालन करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता का उल्लंघन कर सकता है (अनुच्छेद 25–30)। कानूनी नोटिस या सुनवाई के बिना मनमाने ढंग से किए गए विध्वंस व्यक्ति के संपत्ति रखने और उसका आनंद लेने के अधिकार को कमजोर करते हैं। संविधान में यह अनिवार्य किया गया है कि किसी भी व्यक्ति को कानून के अधिकार के अलावा उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जाएगा। कार्यकर्ताओं, पत्रकारों आदि के खिलाफ दंडात्मक उपायों के रूप में इस्तेमाल किए जाने पर विध्वंस अभियान असहमति पर भयावह प्रभाव डालते हैं। संपत्ति और विध्वंस अधिकारों पर नागरिकों को शिक्षित करने से समुदायों को अवैध कार्यों का विरोध करने और उचित प्रक्रिया की मांग करने में मदद मिलती है। महाराष्ट्र में स्थानीय गैर सरकारी संगठनों द्वारा की गई पहल कानूनी परामर्श प्रदान करती है, जिससे परिवार अनुचित विध्वंस का विरोध कर सकते हैं। जवाबदेही ढांचे को लागू करने से यह सुनिश्चित होता है कि उचित प्रक्रिया को दरकिनार करने वाले अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाए, जिससे शासन में विश्वास बढ़ता है। विध्वंस की निगरानी के लिए लोकपाल की स्थापना से दुरुपयोग को रोका जा सकता है और निष्पक्षता को बढ़ावा मिल सकता है।

पूर्व सूचना, न्यायिक समीक्षा और अपील समय के लिए प्रोटोकॉल विकसित करना नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करता है। 15–दिन की नोटिस अवधि को अनिवार्य करने वाले सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देश पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं और मनमाने ढंग से किए जाने वाले विध्वंस से बचाते हैं। प्रभावित परिवारों के लिए वैकल्पिक आवास या मुआवजा प्रदान करना प्रशासनिक कार्यों को सामाजिक न्याय सिद्धांतों के साथ जोड़ता है। दिल्ली में, अतिक्रमण हटाने के दौरान विस्थापित परिवारों के पुनर्वास ने आश्रय के अधिकारों को बरकरार रखा। निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए विध्वंस की निगरानी भेदभाव सम्बंधी चिंताओं को दूर करती है और वैध, न्यायसंगत कार्यवाही को लागू करती है। यूपी में स्वतंत्र ऑडिट टीमें कानूनी दिशानिर्देशों के अनुपालन की पुष्टि करने और पक्षपातपूर्ण लक्ष्यीकरण को रोकने के लिए विध्वंस का आकलन करती हैं। बुलडोजर न्याय प्रशासनिक दक्षता और संवैधानिक अधिकारों के बीच जटिल संतुलन को उजागर करता है। कानूनी सुरक्षा, पारदर्शी प्रोटोकॉल और जवाबदेही सुनिश्चित करके, भारत ऐसे शासन को बढ़ावा दे सकता है जो कानून के शासन और मानव गरिमा का सम्मान करता हो, लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ संरेखित हो और प्रभावी प्रशासन को सक्षम बनाता हो।

प्रशान्त किशोर के उप चुनाव का अभिमन्यु

—मनोज सिंह—

आजादी के बाद देश की राजनीति में कई पड़ाव आए एक तरफ गांधी और दूसरी तरफ सुभाष चंद्र भगत सिंह सहित अनेक क्रांतिकारियों के चलते आजादी मिली वही जवाहरलाल नेहरू को सत्ता मिली और सरदार पटेल भले ही प्रधानमंत्री के पद ना बैठे हो लेकिन उनके नाम और कार्य शैली को सम्मान से आज भी देश के लोग याद करते हैं पूरे देश में वह लौह पुरुष के नाम से जाने जाते हैं ।

इसी तरह एक तरफ इंदिरा गांधी का शासन काल देश ने देखा दूसरी तरफ लाल बहादुर शास्त्री ने देश में अनाज की समस्या को दूर करने के लिए जय जवान और जय किसान का केवल नारा ही नहीं दिया बल्कि उस दिशा में सकारात्मक कार्य किया आज भी लाल बहादुर शास्त्री के कुशल शासनकाल को ह्रदय की गहराइयों से लोग याद करते हैं ।

इंदिरा जी के न रहने पर , कांग्रेस के नेतृत्व में कमी आई जिससे देश में क्षेत्रीय पार्टियां कुछ उस प्रदेश की समस्याओं को लेकर अपने जन हित संघर्षों के बल पर और ज्यादातर जातीय समीकरण का सहारा लेकर प्रादेशिक पार्टियां बन गई उसे दौर में भाजपा की स्थिति क्षेत्रीय पार्टियों से भी कमजोर थी लेकिन 1990 का दौर आते आते अटल और आडवाणी की जोड़ी ने भाजपा को राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मजबूती से आगे बढ़ाया इसमें अटल बिहारी वाजपेई की सादगी ,सम्मोहित भाषा शैली,हाजिर जवाबी और आडवाणी के हिन्दूत्व कार्ड के सहारे सत्ता तक पहुंचे लेकिन ज्यादा समय तक केंद्र में नहीं बने रह सके 2004 में पुनः कांग्रेस सत्ता में आई और 10 वर्ष 2014 तक सत्ता में रही लेकिन कमजोर नेतृत्व के चलते दिन प्रतिदिन बिखरती चली गई वहीं गुजरात मॉडल लेकर तीसरी बार मोदी को मुख्यमंत्री बनने में प्रशांत किशोर की बड़ी भूमिका रही है गुजरात के गांव में अन्य प्रदेशों की तरह वहां भी किसानों की आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है गरीबी गुजरात के गांव में भी है ।

दागी सांसदों को सदन से बाहर करने का जो साहस मोदी जी प्रचंड बहुमत से केन्द्र की सत्ता में रहकर नहीं दिखा सके उसको बिहार में प्रशांत किशोर जी ने सत्ता के नजदीकियों को और लग्जरी जीवन को छोड़कर बिहार की जनता के हित के लिए निरंतर दो वर्षों से पद यात्रा के माध्यम से जन–जन तक पहुंच कर उनको जागृत करके और उपचुनाव में किसी भी दागी उम्मीदवार को टिकट न देकर बिहार सहित पूरे देश को स्वच्छ राजनीति करने का जो संदेश दिया है वह निसंदेह आने वाले समय में मिल का पत्थर बनेगा ।

लेकिन गुजरात मॉडल को प्रमोट करके देश में विकास का मॉडल प्रस्तुत करते हुए नरेंद्र मोदी भाजपा के केंद्र में स्थापित होकर प्रशांत किशोर जैसे कुशल रणनीतिकार और नितिन गडकरी सरीखे अच्छे नेताओं की छवि के सहारे 2014 में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बने देश की जनता ने नरेंद्र मोदी को बहुत प्यार और सम्मान दिया लेकिन दो बार बहुमत से जीत हासिल करने के बाद भी नरेंद्र मोदी दागी सांसदों को संसद से बाहर नहीं कर सके 2019 में उनकी लोकप्रियता चरम पर थी उसे समय वह चाहते तो देश के सामने एक नजीर पेश कर सकते थे कि हम दागी सांसदों को टिकट नहीं देंगे क्योंकि भाजपा के हर लोकसभा क्षेत्र में स्वच्छ छवि के नेताओं की कमी नहीं थी नरेंद्र मोदी की क्या मजबूरियां रही होगी जिसके चलते उनको दागी सांसदों को भी टिकट देना पड़ा ?

दागी सांसदों को सदन से बाहर करने का जो साहस मोदी जी प्रचंड बहुमत से केन्द्र की सत्ता में रहकर नहीं दिखा सके उसको बिहार में प्रशांत किशोर जी ने सत्ता के नजदीकियों को और लग्जरी जीवन को छोड़कर बिहार की जनता के हित के लिए निरंतर दो वर्षों से पद यात्रा के माध्यम से जन–जन तक पहुंच कर उनको जागृत करके और उपचुनाव में किसी भी दागी उम्मीदवार को टिकट न देकर बिहार सहित पूरे देश को स्वच्छ राजनीति करने का जो संदेश दिया है वह निसंदेह आने वाले समय में मिल का पत्थर बनेगा । बिहार के उपचुनाव में वहां की जनता जाति की राजनीति से पूरी तरह बाहर नहीं निकल पाई है लेकिन प्रशांत किशोर के दिन रात के परिश्रम ने जात वादी राजनीति की कडियो को कमजोर किया है उपचुनाव में भले ही प्रशांत किशोर जी को चार में से दो की जगह केवल एक ही सीट मिले लेकिन पूरे देश में उनके द्वारा दागी उम्मीदवार को टिकट न देने से राजनीति में एक नई परिभाषा की शुरुआत हो चुकी है बिहार के सैकड़ो से हजारों प्रतिष्ठित लोग और अच्छे स्वभाव के युवा दिन–रात लोगों को जागृत करने में लगे हुए हैं इसका असर 2025 में होने वाले बिहार में विधानसभा चुनाव में जरूर देखने को मिलेगा

गांवों की ओर लौटते श्रमिक

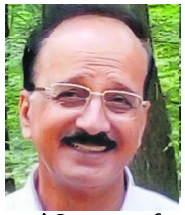

—देविंदर शर्मा—

शहरों में जाकर काम करने वाले भारत के लोग बड़ी संख्या में अपने गांवों की ओर लौट रहे हैं। ग्रामीण अंचलों के श्रमिकों को 'कम मुनाफादायक' कृषि से शहरी केंद्रों में बेहतर रोजगार के अवसरों की तलाश में धकेलने वाली नीति–समर्थित चाल पिछले पांच सालों में उलट गई लगती है। रिवर्स माइग्रेशन (गांवों की और वापसी) में तेजी का संकेत सबसे पहले कोविड–19 महामारी के दौरान मिला, जब लाखों शहरी गरीबों ने लंबी दूरी तय की, ज्यादातर पैदल –जिसे विभाजन के दिनों के बाद लोगों के सबसे बड़े आवागमन के रूप में देखा गया। इस अभूतपूर्व अंतर–राज्यीय या फिर राज्य के भीतर ही हुए स्थानांतरण को पहले अस्थायी माना गया था, लेकिन इस उम्मीद को धता बताते हुए कि महामारी खत्म होने के बाद कार्यबल शहरों में वापस लौट आएगा, अधिकांश प्रवासियों ने अपने मूल स्थान पर ही रहना चुना।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण और आवधिक श्रम बल सर्वेक्षणों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन और नई दिल्ली स्थित मानव विकास संस्थान ने एक रिपोर्ट में पहली बार कृषि संबंधी रोजगार में लगे लोगों की संख्या में वृद्धि पर मुहर लगाई है। आम धारणा के विपरीत, अनुमान है कि 2020 और 2022 के बीच ग्रामीण कार्यबल में 5.6 करोड़ श्रमिक जुड़े। इससे पता चलता है कि बेरोजगारी के साथ विकास के आलम में, शहरों में उपलब्ध रोजगार अवसर प्रवासियों के लिए अब आकर्षक नहीं रहे। चाहे यह मेन्युफेक्चरिंग क्षेत्र में बनी मंदी की वजह से हो या निर्माण क्षेत्र की नौकरियों में गिरावट की वजह से, प्रवासियों ने गांव वापसी करना बेहतर समझा।

अलबत्ता, इसके बाद सावधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2023–24 ने आर्थिक डिजाइन के अनुसार जनसंख्या परिवर्तन में उलटफेर दिखाया, जो कृषि कार्यबल का एक बड़ा हिस्सा खेती से दूर चले जाने को लेकर था। रोचक है कि 2004–05 और 2018–19 के 13 साल में 6.6 करोड़ कृषि कार्यबल ने शहरों में छोटे–मोटे रोजगार की तलाश में पलायन किया था लेकिन जेएनयू के अर्थशास्त्री हिमांशु के मुताबिक, अगले पांच सालों (2018–19 से 2023–24) के बीच 6.8 करोड़ लोगों की गांव वापसी हुई। ऐसा नहीं है कि कृषि अचानक से लाभदायक हो गई,लेकिन जिस प्रकार रिवर्स माइग्रेशन की दर ने आर्थिक नीति के आधार पर संरचनात्मक परिवर्तन करवाने के अपेक्षित फायदों को उलट दिया है, उसने दिखा दिया है कि लोगों को खेती छुड़वाने वाली रणनीति व्यवहार्य नहीं थी।

पीएलएफएस सर्वेक्षण रिपोर्ट से पता चलता है कि ग्रामीण कार्यबल में कृषि क्षेत्र का हिस्सा 2018–19 में 42.5 प्रतिशत से बढ़कर 2023–24 में 46.1 प्रतिशत हुआ है, जोकि खेती में फिर से जुड़ा कुल आंकड़ा है– और इसमें युवाओं की बड़ी संख्या है दृ इससे जो संदेश मिलता है उसे अब और अधिक नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। जबकि लोकप्रिय आर्थिक सोच एक दोषपूर्ण प्रारूप पर आधारित है, जिसने लोगों को इस क्षेत्र से बाहर करने की चाह से सालों तक कृषि को जानबूझकर घाटे का व्यवसाय बनाए रखा ताकि मजबूर होकर शहरों की और पलायन हो। दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले आंदोलन के बाद कृषकों के प्रदर्शनों में बड़ी संख्या, उचित आय से महरूम रखने के विरुद्ध उनका रोष दर्शाती है।

यह साल 1996 था जब विश्व बैंक ने चाहा था कि भारत के 40 करोड़ लोगों को कृषि क्षेत्र से बाहर निकाला जाना चाहिए दृ जोकि ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी की संयुक्त आबादी के दोगुने के बराबर है दृ ताकि उन्हें शहरों की ओर पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़े और वहां श्रमबल उपलब्ध हो। जबकि पलायन में सहायक बनने वाली स्थितियां बनाने के बजाय खेती को व्यवहार्य उद्यम बनाकर कृषि के पुनर्निर्माण पर जोर दिया जाना चाहिए था। यही महात्मा गांधी चाहते थे, और जिस दर से प्रवासी वापस लौटे हैं, उससे पता चलता है कि वे कितने सही थे। इसलिए, अब समय है कि विश्व बैंक की उक्त नीति को खारिज कर कृषि को पुनर्जीवित करने और खेती को एक टिकाऊ, व्यवहार्य और लाभकारी उद्यम बनाने पर फोकस किया जाए।

अगर आप अभी भी आश्वस्त नहीं हैं, तो हाल ही में जारी राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण 2021–22 की रिपोर्ट देखें। इसके अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में कृषि में लगी आबादी का हिस्सा काफी बढ़ गया है। साल 2016–17 में 48 प्रतिशत से 2023–24 में 57 फीसदी के उच्च स्तर तक, कृषि परिवारों की संख्या में भारी उछाल स्पष्ट रूप से मूल निवास पर वापसी की ओर इशारा करता है। पंजाब को छोड़कर, जहां कृषि में लगे परिवारों की हिस्सेदारी 2016–17 में 42 प्रतिशत से घटकर 2021–22 में 36 प्रतिशत रह गयी, हिमाचल में 70 से 63 प्रतिशत व गुजरात और कर्नाटक में थोड़ी–बहुत वृद्धि है। कुल मिलाकर,कई राज्यों में कृषि में लगे परिवारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। गोवा में कृषि परिवारों की संख्या 3 फीसदी से बढ़कर 18 प्रतिशत, हरियाणा में 34 से 58 प्रतिशत, उत्तराखंड में 41 से 57 प्रतिशत और तमिलनाडु में 13 से 57 प्रतिशत हो गई है। अधिकांश अन्य राज्य भी कृषि की ओर बढ़ते रुझान को दर्शाते हैं।

कारण जो भी हों, आईएलओ, पीएलएफएस और नाबार्ड के ये तीन सर्वेक्षण और अध्ययन रोजगार और आजीविका चुनौतियों का सामना करने में कृषि का महत्व दिखाते हैं, घरेलू खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में इस क्षेत्र की क्षमता को न भूलें। जबकि मुख्यधारा की आर्थिक सोच रिवर्स माइग्रेशन की उस दर से निराश है जिसने कृषि क्षेत्र में लगे लोगों की संख्या कम करने के सभी पिछले पैंतरों को उलट दिया, मुख्यधारा के अर्थशास्त्री और आर्थिक लेखक कृषि रोजगार में वृद्धि को 'चिंताजनक' और 'चिंता का विषय' के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। भारत में देखा जा रहा विपरीत पलायन का यह नमूना निम्न मध्यम आय वर्ग के लिए अनूठा है, लेकिन यह कृषि के पुनर्निर्माण के लिए आर्थिक नीतियों को पुनर्जीवित करने की बढ़ती आवश्यकता का संकेत है।बदलती जमीनी हकीकत को स्वीकार करने का समय आ गया है। कृषि पर निर्भरता अपने आप ही व्यवहार्य रास्ते बना लेगी, बशर्ते सरकार पर्याप्त संसाधन लगाने को तैयार हो। सर्वप्रथम और सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि अर्थशास्त्रियों को कृषि के लिए बजटीय परिव्यय में किसी भी प्रस्तावित वृद्धि को राजकोषीय घाटे में वृद्धि के रूप में देखना बंद कर देना चाहिए। आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओएलसीडी) के अनुसार, 54 प्रमुख कृषि अर्थव्यवस्थाओं में से भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जहां किसानों को होने वाले नुकसान की भरपाई बजटीय प्रावधानों के जरिये नहीं की जाती।

ट्रक ने स्कूटी में मारी टक्कर, शिक्षिका समेत दो की मौत, एक की हालत नाजुक

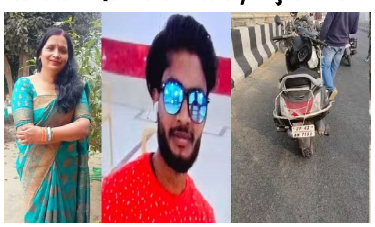

संवाददाता–गोण्डा। नवाबगंज व मनकापुर क्षेत्र में दो अलग–अलग सड़क हादसों में स्कूटी सवार शिक्षिका और बाइक सवार युवक की मौत हो गई है। बाइक सवार एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लिया और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बस्ती जिले के छावनी थाना क्षेत्र के खेमराजपुर गांव निवासी पंकज सिंह की पत्नी सविता सिंह (42) मंगलवार सुबह करीब नौ बजे अपनी स्कूटी से गोंडा के नवाबगंज स्थित जफरापुर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय आ रही थीं। महेशपुर गांव के पास फोरलेन सरयू पुल पर पीछे से तेज रफ्तार ट्रक चालक ने ओवरटेक करने के चक्कर में टक्कर मार दी। इसके बाद स्कूटी सवार शिक्षिका बीच रोड पर गिर गईं। वहीं सिर पर गंभीर चोटें लगने से वहां करीब आधे घंटे तक तड़पती रहीं। सूचना पर आई पुलिस उन्हें इलाज के लिए अयोध्या मेडिकल कॉलेज ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। नवाबगंज के प्रभारी निरीक्षक निर्भयनारायन सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। उन्होंने बताया कि अध्यापिका ने सिर में हेलमेट पहन रखा था, वह हादसे में टूट गया। सिर में अत्याधिक चोट व रक्तस्राव से उनकी जान चली गई। ट्रक को कब्जे में लिया गया है और आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

मनकापुर–रेहराबाजार मार्ग पर बनकसिया मोड़ के पास सोमवार रात एक बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। बाइक सवार रानेपुर बाजार निवासी शुभम गुप्ता (24) व रवि पटवा (33) गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर आई पुलिस उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनकापुर ले गई, जहां डॉक्टरों ने शुभम को मृत घोषित कर दिया। दूसरे घायल युवक को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। परिजनों के मुताबिक, रात करीब 11 बजे अयोध्या से वापस लौट रहे थे। दतौली चौकी प्रभारी सतेंद्र सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साथ ही छानबीन की जा रही है।

परिजनों ने बताया कि शिक्षिका सविता सिंह अपने पति पंकज कुमार सिंह के साथ अयोध्या में रहती थीं। पंकज बाल्मीकि इंटर कालेज विक्रमजोत बस्ती में लिपिक के पद पर कार्यरत हैं। मृत शिक्षिका के एक पुत्र व एक पुत्री है। आगामी 24 नवंबर को बेटी की शादी की तैयारियां चल रही थीं।

कांस्टेबल पत्नी ने सिपाही पति पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा जिले में तैनात सीतापुर निवासी एक महिला कांस्टेबल ने सिपाही पति पर शारीरिक उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पीड़िता ने एसपी को तहरीर देकर आरोपी पति के उत्पीड़न से बचाने की गुहार लगाई है। एसपी के आदेश पर नगर कोतवाली पुलिस पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पीड़ित पत्नी का आरोप है कि शादी होने के बाद से यूपी 112 में तैनात पति उसे लगातार परेशान करने के साथ ही गर्भवती होने के बावजूद उसके साथ मारपीट करता है। पीड़िता वर्तमान में जिले के महिला थाने में कांस्टेबल पद पर तैनात है। बताया कि पति दीपक कुमार यूपी–112 में बतौर कांस्टेबल कार्यरत हैं। आरोप लगाया कि बीती 29 सितंबर को करीब एक बजे पति दीपक ने घर पहुंच कर गर्भवती होने के बावजूद अप्राकृतिक तरीके से संबंध बनाने का प्रयास किया। विरोध करने पर उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद से वह अलग किराए का मकान लेकर रहने लगा है। पीड़िता का आरोप है कांस्टेबल पति दीपक के कई महिलाओं से संबंध हैं। ऐसे में वह लगातार परेशान कर रहा है। पीड़िता ने एसपी से आरोपी पति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। एसपी विनीत जायसवाल के आदेश पर नगर कोतवाली पुलिस आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

पुलिस अफसरों की माने तो पति पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि दिसंबर 2023 को आरोपी पति ने अपने भाई हरि प्रसाद की मदद से छत से नीचे भी फेंक दिया था। इससे उसका दाहिना हाथ व जबड़ा टूट गया था तब वह आरोपियों के भय से पुलिस में शिकायत नहीं कर सकी थी। ससुराल जाने पर भी उसे कमरे में बंद कर पीटा जाता था।

पीड़िता ने बताया कि पिछले साल 11 अगस्त 2023 को पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद करनैलगंज के एक मंदिर में दोनों ने शादी की थी। इसके बाद से दोनों साथ रह रहे थे। दोनों के बीच अगस्त 2022 से दोनों प्रेम प्रसंग शुरू हुआ था। सिपाही पत्नी का यह भी आरोप है कि शादी के पहले ही आरोपी ने उसके साथ लखनऊ के एक होटल में जबरन संबंध बनाए थे बाद में शादी से इंकार करने लगा। बड़ों अफसरों के हस्तक्षेप के बाद ही उन दोनों की शादी हो सकी थी।

विशाल सिंह हत्याकांडः आरोपी रजा पुलिस की मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

संवाददाता– देवरिया। मंगलवार की सुबह–सुबह भोर में पुलिस ने मुठभेड़ में विशाल सिंह हत्याकांड के एक आरोपी को गोली लगने के बाद दबोच लिया। गोरखपुर के रहने वाले इस बदमाश के पैर में गोली लगी है। उसका महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज देवरिया में इलाज चल रहा है। दबोचे गए आरोपी का नाम मोहम्मद राजा खान है। पुलिस के अनुसार उसने अपने साथियों के साथ मिलकर विशाल सिंह की हत्या की थी।

बता दें कि पिछले दिनों देवरिया में हुए नेहाल सिंह हत्याकांड के आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर विशाल सिंह लगातार आंदोलनरत थे। वह इस मुद्दे पर करणी सेना भारत की ओर से किए गए प्रदर्शनों में शामिल होने के साथ ही लगातार नेहाल सिंह के परिवार के संपक में भी थे। विशाल सिंह की हत्या के बाद सोमवार को ही करणी सेना भारत के अध्यक्ष वीर प्रताप सिंह वीरू ने देवरिया के एकौना थाना क्षेत्र के हौली बलिया गांव में पहुंच कर विशाल सिंह के परिवारीजनों से मुलाकात की थी। उन्होंने पुलिस को दो दिन का अल्टीमेटम दिया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि पुलिस हत्यारों के पैर में नहीं बल्कि सिर में गोली मारे।

देवरिया जिले के एकौना थाना क्षेत्र के हौली बलिया गांव के विनीत सिंह का बेटा विशाल सिंह (उम्र 22 वर्ष) गोरखपुर के दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में बीकॉम द्वितीय वर्ष का छात्र था। शनिवार रात करीब 9 बजे घर से बुला चाकू से गोद कर उसकी हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकाण्ड के बाद पुलिस पर दबाव बढ़ गया था। पुलिस मामले में बदमाशों की तलाश में जुटी थी। मंगलवार की भोर में करीब 4 बजे एकौना थाना क्षेत्र के बघड़ा पुल के पास गोरखपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के घोसीपुरवा मोहल्ले के रहने वाले मुख्य अभियुक्त मोहम्मद रजा खान के साथ पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। मेडिकल कॉलेज में उसका इलाज चल रहा है। पुलिस की पूछताछ उसने बताया कि उसी ने अपने साथियों के साथ मिलकर विशाल सिंह की हत्या की थी।

मामले में मामले में विशाल सिंह के पिता विनीत सिंह की तहरीर पर पुलिस ने रजा खान पुत्र अज्ञात व फैज रैनी पुत्र अज्ञात निवासीगण घोसीपुरवा थाना शाहपुर गोरखपुर, राहुल अली पुत्र अज्ञात निवासी कौड़ीराम थाना बांसगांव गोरखपुर और विनोद जायसवाल पुत्र अज्ञात निवासी रुद्रपुर थाना रुद्रपुर और कुछ अन्य अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। अन्य बदमाश अभी फरार हैं।

विशाल सिंह हत्याकाण्ड में थानाध्यक्ष पर भी गाज गिरी है। सोमवार की देर शाम एसपी संकल्प शर्मा ने एकौना के थानाध्यक्ष दिलीप कुमार पाण्डेय को निलंबित कर दिया। उनकी जगह अभिषेक राय को एकौना का थानाध्यक्ष बनाया गया है। एसपी ने थानाध्यक्ष को घटना के लिए लापरवाह मानते हुए कार्रवाई की है।

सोमवार को करणी सेना भारत के अध्यक्ष वीर प्रताप सिंह वीरू ने विशाल के पिता विनीत सिंह से मिलकर घटना के बारे में जानकारी ली। इसके बाद अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर 48 घण्टे में हत्यारों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो करणी सेना बड़ा आंदोलन करेगी। पुलिस पैर में गोली मारने का नाटक बंद करे और हत्यारोपियों के सीने और सिर में गोली मारे।एसपी संकल्प शर्मा ने बताया कि विशाल सिंह हत्याकांड के एक आरोपित के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई है। बदमाश को गोली लगी है। उसको मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। वहां उसका इलाज चल रहा है। घटना में शामिल अन्य बदमाशों को भी पुलिस जल्द गिरफ्तार कर लेगी।

एसपी ने कोतवाली भिनगा का निरीक्षण किया

संवाददाता–श्रावस्ती। एसपी ने कोतवाली का निरीक्षण कर व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय समेत अन्य आवास का भ्रमण किया। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया सोमवार देर रात कोतवाली भिनगा का निरीक्षण करने पहुंचे। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह मौजूद मिले। पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण के दौरान ड्यूटीरत कर्मियों से कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए कुशलक्षेम जाना तथा रात्रि गश्त पर मौजूद पुलिस कर्मियों को चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए निरंतर भ्रमणशील रहने का निर्देश दिया। उन्होंने थाना कार्यालय पहुंच कर कार्यों के बारे में जानकारी ली। अभिलेखों को चेक किया तथा रखरखाव के लिए जरूरी निर्देश दिए। भोजनालय का भ्रमण कर साफ–सफाई रखने व मानक के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

रानी लक्ष्मी बाई जयंती पर मनाया स्त्री शक्ति दिवस

संवाददाता–श्रावस्ती। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मंगलवार को भिनगा के अलक्षेंद्र इन्टर कॉलेज में रानी लक्ष्मी बाई जयंती के अवसर पर विशाल छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मिशन साहसी अभियान के तहत महिला कांस्टेबल एवं ताइक्वांडो के अध्यापकों ने सेल्फ डिफेंस का तरीका बताया।

भिनगा नगर के विभिन्न कॉलेजों अलक्षेन्द्र इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, श्रावस्ती इंटर कॉलेज, वी एस एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल आदि में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने रानी लक्ष्मीबाई की जयंती को स्त्री शक्ति दिवस के रूप में मनाया। अलक्षेन्द्र इंटर कॉलेज में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला संयोजक विराट शुक्ला ने कहा कि ये फूल नहीं चिंगारी है ये भारत की नारी है। भारत की प्रत्येक छात्रा को अपने आप में रानी लक्ष्मीबाई बनना होगा तब जाकर समाज में सुधार आएगा। मुख्य अतिथि के रूप में भिनगा नगर की अधिशासी अधिकारी सुश्री अनीता शुक्ला व महिला एस एच ओ पुष्पलता, अभाविप प्रांत के प्रांत उपाध्यक्ष महेंद्र प्रसाद भारती, जिले के प्रमुख राम मूर्ति पाठक, कॉलेज के प्रधानाचार्य ज्योति प्रकाश पांडेय, संयोजक विराट शुक्ला, संगठन मंत्री सोनू मिश्रा, पूर्व विभाग सह संयोजक सुधांशु पांडेय, नगर मंत्री शिवम तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दी गई खाद्य सुरक्षा ट्रेनिंग

संवाददाता–बलरामपुर। सामाजिक संस्था न्यू गुरुकुल एजुकेशन सोसाइटी के तत्वाधान में खाद्य सुरक्षा संबंधी महिलाओं को निःशुल्क ट्रेनिंग दी गई है। इस प्रशिक्षण में करीब एक हजार महिलाओं को विकासखंड तुलसीपुर एवं गैसड़ी में प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के बाद संस्था डायरेक्टर दिनेश खटाना की ओर से सभी प्रमाण–पत्र दिया जाएगा।

संस्था डायरेक्टर ने खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि फूड इंडस्ट्री केपैसिटी एंड स्किल इंटेटिव के तहत महिलाओं को सुरक्षा व स्वच्छता के साथ काम करने की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के बाद महिला अभ्यर्थियों को प्रमाण–पत्र दिया जाएगा। प्रमाण–पत्र देने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ उन्हें खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में पारंगत करना है। प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को निःशुल्क किताबें दी गईं जिसमें प्रशिक्षण के संबंध में सारी जानकारी निहित है। महिलाओं को ट्रेनिंग देने में मैनेजर संजय कुमार, को–ऑर्डिनेटर सुषमा गुप्ता एवं अनु यादव का विशेष योगदान रहा। संस्था सदस्य जिया तनवीर, निखिल गुप्ता, मोहित विश्वकर्मा, राजीव रंजन एवं अंकित कुमार ने मिलकर करीब एक हजार महिलाओं को खाद्य सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के बाद सभी को प्रमाण–पत्र दिया जाएगा।

सिद्ध पीठ हनुमत निवास में श्री रामचरित मानस का तीन दिवसीय पाठ आज से

–भारतीय बस्ती संवाददाता– अयोध्या। अयोध्या के लक्ष्मण घाट स्थित सिद्ध पीठ हनुमत निवास में 20 नवंबर से श्री रामचरितमानस का तीन दिवसीय अखंड संगीत में पाठ की बहेगी गंगा, सौ अधिक भक्ति मधुर संगीत में रामचरितमानस का करेंगे सामूहिक पाठ, अयोध्या सैकड़ो संत इस महा अनुष्ठान में होंगे सम्मिलित। 20 नवंबर को सुबह 10 बजे आचार्य कुमार गौरव द्वारा भगवान श्रीराम और हनुमान के पूजन के साथ आरंभ होगा, जिसमें मुराबाबाद, कानपुर, वाराणसी और रायबरेली के 100 से ज्यादा भक्त मधुर सामूहिक पाठ करेंगे। श्री हनुमत निवास के महंत डां मिथिलेश नंदिनी शरण ने बताया कि 20 नवंबर को शाम 7 बजे राम जन्मोत्सव होगा। अयोध्या–आरण्य, किष्किन्धा और सुंदरकांड पाठ 21 नवंबर को होगा। 22 नवंबर को सुबह 10 बजे श्रीराम राज्याभिषेक और शिव स्तुति दोपहर 3 बजे, पाठ विश्राम और प्रवचन शाम 7 बजे के बाद आरती और प्रसाद शाम आठ बजे होगा। यह पूरा समारोह 50 साल से राम चरित मानस का सस्वर सामूहिक पाठ कर रहे भक्तों की टीम करेगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के आयोजक मुरादाबाद के रामभक्त सीएल गुप्ता और उनके परिवार की शिखा गुप्ता और राघव गुप्ता हैं। कानपुर निवासी प्रसिद्ध वकील योगेश भसीन जो कार्यक्रम के समन्वयक और प्रमुख गायक हैं। रायबरेली के स्वामी विज्ञानानंद महाराज और मनोज मिश्र अपनी टीम के साथ आ रहे हैं। इसके अलावा आगरा के योगेश शर्मा और मुरैना के राजेश ठाकुर के साथ देश के प्रसिद्ध गायक भोला तिवारी वाराणसी भी राम चरित मानस के सस्वर गायन करेंगे।आचार्य पीठ लक्ष्मण किला के महंत मैथिली रमण शरण ने बताया कि यह कार्यक्रम स्वयं में अनूठा और परम आनंद देने वाला होता है। हम संतों और राम भक्तों को इसका पूरे साल इंतजार रहता है। भक्तों से अनुरोध है कि इस पाठ को सुनकर आनंद की प्राप्ति अवश्य करें।

शौच करने गया वृद्ध तेंदुए के हमले में घायल

संवाददाता–बलरामपुर। सोमवार रात को लैबुड़वा भोजपुर गांव में एक वृद्ध तेंदुए के हमले का शिकार हो गए। 70 वर्षीय जुमाई शौच के लिए गए थे जब तेंदुए ने उन पर हमला किया। शौच करने गया वृद्ध तेंदुए के हमले में घायल हो गया। शोर मचाने पर ग्रामीण दौड़े उसके पहले ही तेंदुआ अंधेरे में भाग निकला। वृद्ध का गैसड़ी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में इलाज कराया गया है। घटना गैसड़ी कोतवाली क्षेत्र के लैबुड़वा भोजपुर गांव निकट सोमवार रात आठ बजे हुई है। तेंदुए की सक्रियता से क्षेत्र में एक बार फिर दहशत का माहौल है। वन विभाग टीम ने मौके की जांच कर ग्रामीणों को सचेत किया है। गांव में वन कर्मी की तैनाती की गई है। तुलसीपुर वनरेंज का गांव है लैबुड़वा भोजपुर। यहां के निवासी 70 वर्षीय जुमाई पुत्र वकील सोमवार रात बांध की ओर शौच करने गए थे। लौटते समय तेंदुए ने उनपर अचानक हमला कर दिया। जुमाई जोर–जोर से चिल्लाने लगे। उन्होंने खेत की मिट्टी को तेंदुए पर फेंका तो वह भाग निकला। मौके पर पहुंचे दर्जनों ग्रामीणों ने तेंदुए की तलाश की लेकिन वह नहीं मिला। जुमाई को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गैसड़ी लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर जाने की अनुमति दे दी गई। लोग रातभर जागकर पहरा देते रहे। रातभर गांव में तेंदुए से बचाव के लिए लोगों ने चहलकदमी की। ग्रामीण संतराम, अवधे, सगीर, सज्जाद आदि ने बताया कि तेंदुआ पहले भी लैबुड़वा भोजपुर के निकट कई बार देखा गया है। इस बात की सूचना वन विभाग को दी गई, लेकिन तेंदुए को पकड़ने के लिए गांव में पिंजरा नहीं लगवाया गया। घटना के बाद वन कर्मी गांव में सक्रिय हुए हैं। मंगलवार सुबह रेंजर अमरजीत प्रसाद ने घटना स्थल का जायजा लिया। उन्होंने जुमाई से मिलकर घटना के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। अमरजीत प्रसाद, क्षेत्रीय वनाधिकारी ने कहा कि ग्रामीणों को सचेत किया गया है कि वे अकेले खेत में काम करने न जाएं। बच्चों पर नजर बनाए रखें। तेंदुआ दिखते ही वन विभाग को सूचना दें।

रानी लक्ष्मीबाई को एबीवीपी ने किया नमन

संवाददाता–गोंडा। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की 196वीं जयंती पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने स्त्री शक्ति दिवस के रूप में मनाया गया। मंगलवार को लखनऊ हाईवे पर स्थित निजी कॉलेज के सभागार में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि पीडी डीआरडीए चंद्रशेखर, डॉ. अलका पांडे और विशिष्ट अतिथि डॉ. रंजन शर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। डॉ. रंजन शर्मा ने कहा कि हमें रानी लक्ष्मीबाई के चरित्र को अपने जीवन में उतारना चाहिए। हमें दया, ममता व करुणा की मूर्ति के रूप में खुद को समाज में स्वीकार्यता दिलानी होगी।

संगठन जिला प्रमुख डॉ. पवन शुक्ल ने छात्राओं से रानी लक्ष्मीबाई के विषम परिस्थिति में भी अडिग रहकर राष्ट्र के प्रति अलौकिक अनुराग रखते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंचने की बात कही। इस अवसर पर जिला संगठन मंत्री हरिओम शर्मा, धीरज दूबे, सुधांशु मिश्र, रवि शुक्ला, सूरज चतुर्वेदी, मनीष कनौजिया, अमरेश प्रजापति, दीपक कनौजिया सहित कालेज के शिक्षक और छात्र मौजूद रहे।

दतौली चीनी मिल में पेराई सत्र का शुभारंभ

संवाददाता–गोण्डा। बलरामपुर चीनी मिल समूह की मनकापुर–दतौली इकाई में मंगलवार को पेराई सत्र का शुभारंभ एसडीएम यशवंत राव ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच किया। मनकापुर के दतौली स्थित चीनी मिल में मंगलवार को अयोध्या धाम से आये आचार्य पंडित रमोज चतुर्वेदी व अन्य आचार्यों की मौजूदगी में हवन–पूजन किया गया। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मुख्य यजमान महाप्रबंधक नीरज बंसल ने बैलगाड़ी से गन्ना लेकर आये किसान का स्वागत व बैल की पूजा कर पेराई सत्र का शुभारम्भ कराया। तेलिया रतनपुर के गन्ना किसान रामजग वर्मा का सम्मान भी किया गया। इस मौके पर एसडीएम यशवंत राव, सीओ राजेश कुमार सिंह, चौयरमैन यूपी सिंह, भारत सिंह, सीके पाठक एडवोकेट, कोतवाल संतोष कुमार मिश्र, महाप्रबंधक गन्ना राज कुमार ताया, प्रमोद कुमार पाण्डेय, विजय प्रताप सिंह, एनके जैन, अजय कुमार त्रिवेदी, अरविंद कुमार द्विवेदी, नवीन कुमार, अमित सिंह सहित तमाम अधिकारी, मिल कर्मचारी तथा किसान मौजूद रहे।

सांगठनिक चुनाव के लिए भाजपा ने लगाई कार्यशाला

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय जनता पार्टी के संगठन पर्व के तहत मंगलवार को मण्डल कार्यशाला का आयोजन किया गया। मंडल कार्यशाला पांच मण्डलों में आयोजित की गई। जिसमें जिला चुनाव अधिकारी डा प्रेमचंद मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा व मण्डल चुनाव अधिकारी उपस्थित रहे।

हरिहरपुर रानी मण्डल कार्यशाला में जिला चुनाव अधिकारी डाक्टर प्रेमचंद मिश्रा ने कहा कि सांगठनिक चुनाव सभी कार्यकर्ताओं के लिए पर्व के समान है। इसमें कार्यकर्ता अपने कार्यों के आधार पर विभिन्न पदों के लिए नामांकन करते हैं तथा स्वच्छ चुनाव प्रणाली के तहत कार्यकर्ता का चयन होता है। क्योंकि भाजपा एक आंतरिक लोकतंत्र की पार्टी है। जहां बूथ से लेकर जिला स्तर तक कार्यकर्ता अपने कार्यों के आधार पर किसी भी पद के लिए नामांकन कर चुनाव प्रक्रिया में भाग ले सकते है। किसी भी दूसरे दल में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा कि मण्डल कार्यशाला के बाद अब बूथों पर चुनाव सम्पन्न होंगे और उसके बाद मण्डलों के चुनाव भी होंगे। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकासवादी सोच और कर्मयोगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यों से प्रभावित होकर ज्यादा से ज्यादा लोग विशेषकर युवा भाजपा से जुड़ना चाहते हैं और संगठन में विभिन्न पदों पर रहते हुए कार्य भी करना चाहते हैं।

संगठन पर्व में समाज के सभी वर्गों के समावेश सहित 33 महिलाओं को भी संगठन का कार्य करने के विशेष अवसर दिया गया।

सड़क हादसे में एक युवक की मौत, पांच घायल

संवाददाता–श्रावस्ती। देर रात दो बाइकों में टक्कर हो गई जिसमें बाइक सवार एक युवक सड़क पर गिर गया और लकड़ी लादकर जा रही ट्रैक्टर–ट्रॉली के नीचे आ गया। इसके कारण युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि पांच अन्य लोग घायल हो गए। हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के चौरीकोटिया निवासी मूलराज (28) पुत्र रिखीराम सोमवार देर शाम को सात वर्षीय भतीजे चन्दू पुत्र मिन्ट उर्फ आजाद, पत्नी निशा (20) व भाभी प्रीति देवी (35) को बाइक से लेकर मिर्जापुर से घर वापस जा रहा था। जबकि बहराइच जनपद के थाना मटेरा क्षेत्र के जोकहा सलारपुर निवासी मुनीर (22) पुत्र रहीश अपनी चाची को बाइक से लेकर मिर्जापुर चौराहे पर दवा कराने आ रहा था। गिरंट थाना क्षेत्र के ही पटपरगंज गांव के पास पहुंचते ही दोनों की

बाइकों में आमने–सामने की टक्कर हो गई जिसमें दो बाइकों पर सवार सभी आधा दर्जन लोग सड़क पर गिर गए। इस दौरान मौके से एक ट्रैक्टर–ट्रॉली पर लकड़ी लादकर जा रही थी। बाइक से गिरते ही मुनीर ट्रैक्टर–ट्रॉली के नीचे आ गया और पहिया उसके ऊपर से गुजर गया। इससे मुनीर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि मुनीर की चाची समेत मूलराज उसका भतीजा चन्दू, पत्नी निशा व भाभी प्रीती देवी घायल हो गई। हादसे की सूचना पर गिरंट थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मूलराज, चन्दू व प्रीति को परिजनों की ओर से बहराइच ले जाया गया। जहां से चाचा भतीजे को चिकित्सकों ने ट्रामा सेन्टर लखनऊ रेफर कर दिया जबकि अन्य दोनों महिलाओं को हल्की चोट के चलते निजी अस्पताल में प्राथमिक उचार के बाद घर भेज दिया है।

ठंड ने दी दस्तक, खुले में बीत रही मजदूरों व निराश्रितों की रात

संवाददाता–देवरिया। ठंड ने दस्तक दे दी है। लोग चादर की जगह कंबल में सिकुड़ने लगे हैं। इस बीच बाहर से शहर में आकर काम करने वाले मजदूरों के साथ निराश्रित लोगों को खुले में ही रात बीत रही है। नगरपालिका अब तक रैन बसेरा की व्यवस्था नहीं कर पाई है। शहर में काम करने वाले श्रमिकों और बेसहारा लोगों को ठंड में राहत देने के लिए नगरपालिका हर साल ठंड शुरू होते ही शहर में रैन बसेरा बनाती रही है। इधर बीते तीन दिनों से कुहरा और ठंड ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। पर हर साल की तरह बस स्टैंड, आरबीएल तिहारा और रेलवे स्टेशन परिसर में संचालित होने वाला रैन बसेरे को लेकर मौके पर कोई सुगबुगाहट नहीं दिखाई दे रही है। नगरपालिका की तैयारी कहीं दिख नहीं रही है। इसके चलते ट्रेन से आने वाले यात्रियों, बस से उतरने वाले यात्रियों को रात बिताने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। वहीं मालगोदाम पर पल्लेदारी करने वाले श्रमिकों को ठंड के बावजूद सीमित संसाधन के सहारे दुकानों की फुटपाथ पर विश्राम करना पड़ रहा है। वहीं शहर में कहीं भी अलाव नहीं जल रहा है। राहगीर से लेकर श्रमिक तक ठंड में काम कर रहे हैं। कचहरी चौराहा, बस स्टेशन, कसया ढाला, चटनी गढ़ही और हनुमान मंदिर चौराहे के लेबर चौक कहीं भी अलाव नहीं जल रहा है। इससे सुबह सवेरे काम की तलाश में आने वाले श्रमिक ठंड में ही रोजगार की तलाश में चौराहे पर खड़ा रहना पड़ता है। विगत वर्ष नगर पालिका ने मालवीय रोड ओवरब्रिज के नीचे महिला व पुरुष के लिए अलग–अलग रैन बसेरा बनवाया गया था। वहीं रेलवे स्टेशन से गोरखपुर रोड ओवरब्रिज जाने वाली सड़क पर नगरपालिका के काम्प्लेक्स में पुरुष के लिए नीचे और महिला के प्रथम तल पर रैन बसेरा बनाया गया था। इसके साथ ही बस स्टेशन परिसर में ठहरने के लिए रैन बसेरे का इंतजाम किया गया था। इन बसेरों में ठहरने वाले लोगों के लिए आरओ वाटर, फर्स्ट एड के साथ बाहर अलाव जलाने की व्यवस्था की गई थी। संजय कुमार तिवारी, अधिशासी अधिकारी ने कहा कि रैन बसेरा की सूची तैयार कर तहसील को भेज दी गई है। विगत वर्ष जहां रैन बसेरे बनाए गए थे, उन सभी स्थानों पर रैन बसेरे बनाए जाएंगे। अभी ठंड कम है। पांच छरू दिन में रैन बसेरे तैयार कर दिए जाएंगे। इन बसेरों में पूर्ववत की तरह सभी आवश्यक सुविधाएं दी जाएंगी।

प्रभारी निरीक्षकों ने वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा को परखा, किया जागरूक

संवाददाता–बलरामपुर। एसपी के निर्देश पर पुलिस टीम ने अपने–अपने क्षेत्र के बैंक, डाकघर, जनसेवा केन्द्र व वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा का जायजा लिया। कोतवाली नगर के प्रभारी निरीक्षक शैलेश कुमार सिंह ने पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन बैंक व एसबीआई सहित अन्य बैंकों की सुरक्षा का जायजा लेकर बैंक कर्मियों व खाताधारकों को सजग किया। डाकघर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए कहा कि बैंक में संदिग्ध व्यक्ति के दिखने की सूचना तत्काल पुलिस को दें। थाना देहात प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह ने प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक शाखा धुसाह में सुरक्षा का जायजा लेते हुए बैंक में मौजूद लोगों से पूछताछ की। पुलिस कर्मियों ने संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी भी ली। तुलसीपुर में प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने तमाम बैंकों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसबीआई शाखा में खाता धारकों से कहा कि वे निकाली गई रकम को बाइक की डिक्की में न रखें। उतरौला में प्रभारी निरीक्षक संजय दुबे ने खाता धारकों को जागरूक किया। इसी तरह थाना महराजगंज तराई, ललिया, गैसड़ी, पचपेड़वा, गौरा चौराहा, श्रीदत्तगंज, गैंड़ास बुजुर्ग, रेहरा बाजार व सादुल्लाह नगर थाना क्षेत्र स्थित वित्तीय संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया।

मुख्यमंत्री का दौरा आज, श्री राजगोपुरम का करेंगे अनावरण

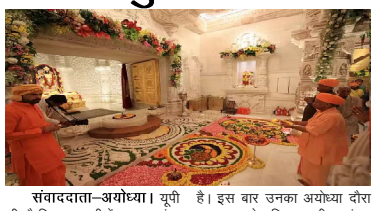

संवाददाता–अयोध्या। यूपी की नौ विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को जब मतदान हो रहा होगा तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या में मौजूद रहेंगे। वे यहां पर विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। जिला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारियों में जुट गए हैं।

मुख्यमंत्री के आगमन का अभी आधिकारिक कार्यक्रम नहीं आया है। इसके मंगलवार को आने की संभावना है। इस बार उनका अयोध्या दौरा मुख्य रूप से दक्षिण भारतीय परंपरा के सुग्रीव किला में श्रीराजगोपुरम के अनावरण महोत्सव में शामिल होने के लिए हो रहा है। इसकी शुरुआत 16 नवंबर से हो गई है। महोत्सव के दौरान पिछले तीन दिनों से मंदिर में स्थापित दक्षिण भारतीय शैली की अलग–अलग मूर्तियों का पूजन किया जा रहा है। साथ ही ग्रंथों का परायण भी हो रहा है।

सुग्रीव किला के अधिकारी अनंत पद्मनाभाचार्य ने बताया कि 20 नवंबर को इस अनुष्ठान की पूर्णाहूति होगी। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रीराजगोपुरम का अनावरण करेंगे। इस मौके पर सुग्रीव किलाधीश स्वामी विश्वेश प्रपन्नाचार्य महाराज और श्रीमद परमहंस श्रीरंगम भी मौजूद रहेंगे। महोत्सव में रामनगरी के प्रमुख धर्माचार्य भी अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

इसी कड़ी में सीएम योगी रामजन्मभूमि में रामलला के दर्शन करने के साथ हनुमानगढ़ी में हनुमंत लला के दरबार में भी माथा टेकेंगे। मुख्यमंत्री की ओर से राम मंदिर निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण भी किया जा सकता है। प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि सीएम अयोध्या के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक भी करेंगे। इसके लिए विभिन्न विभागों की ओर से तैयारी शुरू कर दी गई है।

शादी कर ससुराल पहुंची, दो दिन बाद ही जेवर लेकर हो गई फरार

संवाददाता–गोरखपुर। खजनी थाना क्षेत्र के एक गांव में अजीबोगरीब वाकया सामने आया है। यहां शादी के दो दिन बाद दुल्हन गहने लेकर फरार हो गई। युवक को जानकारी हुई तो वह माथा पीटने लगा। काफी तलाश के बाद भी वह नहीं मिली तो गुमशुदगी का केस दर्ज कराया। क्षेत्र के एक गांव के युवक की शादी बीते 14 नवंबर को उसी इलाके की एक युवती से हुई थी। 15 नवंबर को विदाई के बाद दुल्हन ससुराल पहुंची। नई नवेली दुल्हन के आने के बाद 16 नवंबर को परिवार में जश्न का माहौल रहा। इस बीच ससुराल वालों को 17 नवंबर एक बरात में जाने का निमंत्रण मिला था। दुल्हन ने स्वयं मनुहार कर पति को बरात में जाने के लिए कहा। इस बीच मौका मिलते ही लाखों के गहने और कुछ नकदी लेकर फरार हो गई। बरात से लौटने पर दुल्हन को घर में न देखकर उसकी तलाश शुरू की गई, लेकिन पता नहीं चला। दुल्हन के घर छोड़कर जाने की सूचना मायके वालों को दी। साथ ही युवक ने खजनी थाने में पहुंच कर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

विरोध जताना पड़ा भारी, मनबढ़ों ने दौड़ा–दौड़ाकर पीट

संवाददाता–गोरखपुर। डेमुसा निवासी दीनानाथ को गाली देने वाले का विरोध करना भारी पड़ गया, आरोपी ने उन्हें दौड़ा–दौड़ा कर पीटा। इससे भी मन नहीं भरा तो आरोपी ने ईंट से सीने पर कई वार कर किया। इससे दीनानाथ गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर हालत में उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां स्थिति गंभीर देख एक निजी हास्पिटल में भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक, डेमुसा निवासी दीनानाथ गौड़ सोमवार की रात एक कार्यक्रम में कमलेश गुप्ता के घर से खाना बनाकर लौट रहा था। रास्ते में गांव का ही एक युवक मिला और वह गाली देने लगा। आरोप है कि दीनानाथ ने गाली देने से मना किया तो वह भड़क गया। इसके बाद दीनानाथ को पकड़ कर लात और घूसे से पीटने लगा। इस दौरान दीनानाथ भागने का प्रयास किया तो आरोपी ईंट से दीनानाथ के सीने पर कई बार मारा। दीनानाथ जमीन पर गिर पड़ा और खून की उल्टी शुरू हो गई। घटना के बाद आरोपी भाग निकला। घटना की जानकारी के बाद परिजन घायल अस्पताल लेकर गए।

दीनानाथ की पत्नी दुर्गावती देवी ने गांव के युवक के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश चल रही है, जांच कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

साइबर ठगीः उद्योगपति के जीएम को फिर आया मैसेज, ऑफिस पहुंचे कि नहीं और पहुंच गए थाने

संवाददाता–गोरखपुर। पिछले दिनों उद्योगपति अमर तुल्सयान की डीपी लगाकर जीएम के मोबाइल पर वाटध्सएप मैसेज लखीमपुर खीरी के एक व्यक्ति के नंबर से किया गया था। बैंक के दो खाते भेजकर इसमें रुपये भेजने का मैसेज भेजा था। जीएम ने दोनों बैंकों के खातों में रुपये भेज दिए, जिसे तत्काल उसे पश्चिम बंगाल, झारखंड और राजस्थान के 10 से अधिक बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया। उद्योगपति की डीपी लगाकर नाइन जीएम के मोबाइल नंबर पर मंगलवार की सुबह फिर वाट्सअप मैसेज आया। इसके पहले भी ऐसे ही जालसाजी कर ठगों ने 2.70 करोड़ रुपये की ठगी कर ली थी। इससे घबराए जीएम मैसेद देखते ही तत्काल पुलिस को फोन कर इसकी जानकारी दी। खुद थाने पर पहुंच कर मैसेज और मोबाइल नंबर दिखाया। पुलिस ने जांच किया तो नंबर कंबोडिया के आईपी एड्रेस का आया। इसके पहले ठगी मामले में पुलिस ने लखीमपुर खीरी पहुंच जांच की, लेकिन कोई ठोस क्लू नहीं मिला। संदिग्ध भी नहीं मिला था। ऐसे ही पिछले दिनों उद्योगपति अमर तुल्सयान की डीपी लगाकर जीएम के मोबाइल पर वाटध्सएप मैसेज लखीमपुर खीरी के एक व्यक्ति के नंबर से किया गया था। बैंक के दो खाते भेजकर इसमें रुपये भेजने का मैसेज भेजा था। जीएम ने दोनों बैंकों के खातों में रुपये भेज दिए, जिसे तत्काल उसे पश्चिम बंगाल, झारखंड और राजस्थान के 10 से अधिक बैंक खातों में ट्रांसफर किया गया। यहां के बैंकों से साइबर थाने की पुलिस ने खाताधारकों का विवरण मांगा था। शनिवार को कुछ खाताधारकों का विवरण पुलिस के पास आया है। जिसके आधार पर खाताधारकों से संपर्क भी साधा गया। कुछ बैंकों से बातचीत के बाद रकम होल्ड करने की भी बात चल रही है। अभी तक 45 लाख रुपये बैंकों में होल्ड भी कराए गए हैं।

एम्स में नौकरी दिलाने के नाम पर जालसाजी

संवाददाता–गोरखपुर। डायग्नोस्टिक सेंटर पर काम करने वाले कर्मचारियों ने सात लोगों को एम्स में नौकरी दिलाने के नाम पर 3.89 लाख रुपये ले लिए। नौकरी नहीं मिलने पर पीड़ितों ने अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपी जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। एसएसपी के निर्देश पर गुलरिहा पुलिस दो आरोपियों बांसगांव के अतरौली निवासी हिमांशु राम त्रिपाठी और विकास साहनी के खिलाफ धोखाधड़ी व धमकी देने का केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, मेडिकल कॉलेज के पास स्थित एक डायग्नोस्टिक सेंटर की कर्मचारी सोनी गौड़ का आरोप है कि साथ में काम करने वाले हिमांशु राम त्रिपाठी ने वर्ष 2022 में एम्स में नौकरी दिलाने के नाम पर एक जनवरी 2023 को 50 हजार रुपये लिए थे। आरोपी ने अपने आपको प्रभावशाली बताकर अपने साथी विकास साहनी की सहायता से पीड़िता के संबंधितों अनिल कुमार, दुर्गेश पाल, अमित गौड़, प्रहलाद, सुभाष गौड़ की बेटी से 3.89 लाख रुपये लेकर हड़प लिए।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
धारा 109 जो0च0अधि0
अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी अन्तिम अभिलेख बस्ती जिला–बस्ती

सूर्यदेव
बनाम
सरकार आदि

1. सरकार उ0प्र0 द्वारा कलेक्ट बस्ती 2. अचल पुत्र अलगू 3. अलीमुल्लाह पुत्र बुद्धू 4. कमर हुसेन पुत्र फजल हुसेन 5. कामता पुत्र बुधई 6. खलील पुत्र भूरे 7. छोटू पुत्र विशेसर 8. जैफुल्लाह पुत्र खरगू 9. जलालुद्दीन पुत्र नियामुद्दीन 10. डुगुन पुत्र छोटू 11. कौलेसर पुत्र बुद्धू 12. कल्पनाथ पुत्र रामगुलाम 13. उले पुत्र छोटेलाल 14. नोखई पुत्र उदित 15. नन्दन पुत्र ढोढ़े 16. श्रीमती परमा पत्नी तुलसी 17. परमात्मा पुत्र श्रीराम 18. दीपत पुत्र घिसियावन 19. वुल्ली पुत्र मो0 सब्बीर 20. विहारी पुत्र फागू 21. बदल पुत्र चिरकुट 22. बुधिराम पुत्र रामगुलाम 23. वशीरा बेवा दाहू 24. विहारी पुत्र नगेसर 25. भगवानदास पुत्र मंगल 26. मुमताज पुत्र अलीबक्श 27. मुनेसर पुत्र कृपाल 28. महावीर पुत्र फागू 29. रामफेर पुत्र छोटेलाल 30. रामलली पुत्री गुदुन 31. रामराज पुत्र घिसियावन 32. रहमतुल्लाह पुत्र अमानुल्लाह 33. रहमुल पुत्र समी 34. रामशंकर पुत्र रामवली 35. राममिलन पुत्र बल्ली 36. रती पुत्र गोवर्धन 37. राजाराम पुत्र फागू 38. रमजान पुत्र मौला 39. लौटू पुत्र चिनकू 40. शंकर पुत्र अलगू 41. शंकर पुत्र पराग 42. सम्पत पुत्र जगलाल 43. सुखई पुत्र कीपां 44. सूर्यवली पुत्र कीपां 45. सहाई पुत्र मेघई 46. हरी पुत्र लल्ली 47. ग्राम पंचायत गनेशपुर 48. अकबाल 49. हसनरजा 50. मजनू पुत्रगण इसलाल 51. अनपरा पत्नी इसलाम 52. इब्राहिम 53. मोहम्मद 54. रफी मोहम्मद पुत्रगण मुमताज 55. मोहम्मद इद्रीश 56. मोहम्मद रसीद 57. मोहम्मद मुस्तफा 58. मोहम्मद रऊफ पुत्रगण करीम 59. शिवपूजन 60. राधेश्याम 61. त्रिलोकी पुत्रगण सोहरत 62. मु0 सोनरा पत्नी सोहरत 63. मु0 पुरकहा पत्नी झिनकान 64. करमहुसेन पुत्र फजल हुसेन साकिनान मौजा गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–12–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 18 माह 11 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
प्रकीर्णवाद सं0–21/2023
न्यायालय–श्रीमान अपर जिला जज एफ0टी0सी0 प्रथम महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वन्शी आदि
बनाम
श्रीमती रेशमा आदि

1. श्रीमती रेशमा पत्नी रामलाल 2. सावित्री पत्नी गंगाराम साकिन कस्बा खलीलाबाद 5/1 विजय कृष्ण पाण्डेय पुत्र विन्ध्याचल 5/2 संजय कुमार पाण्डेय पुत्र विन्ध्याचल 5/3 अश्वनी कुमार पाण्डेय पुत्र विन्ध्याचल 5/4 मु0 राजदेई विधवा विन्ध्याचल 6. श्रीमती सोनमती देवी पत्नी भवानी प्रसाद साकिनान मौजा खलीलाबाद तप्पा दक्खिन हवेली परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर 7. श्रीमती खैरून्निशा पत्नी फेर उर्फ फेरई साकिन मैलानी 8. श्रीमती ऊषा देवी पत्नी नन्दलाल साकिन मो0 गोला बाजार खलीलाबाद तप्पा दक्खिन हवेली परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर 9. अब्दुल कुद्दूस पुत्र हमीदुल्लाह 10. अबूबकर सिद्दीकी पुत्र हमीदुल्लाह 11. मोहम्मद हद्दीश पुत्र हमीदुल्लाह 12. मोहम्मद रफीक पुत्र हमीदुल्लाह साकिनान मौजा परसा कला तप्पा फूलेथू परगना मगहर पूरव तहसील खलीलाबाद जिला संतकबीरनगर

तारीख पेशी 30–11–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 30 माह 11 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी न्यायिक बस्ती जिला–बस्ती

श्रीमती सरस्वती देवी
बनाम
भगवान दास आदि

1. भगवान दास पुत्र बच्चूलाल 2. दुर्गेश कुमार 3. अजय कुमार पुत्रगण रामअवध 4. श्रीमती कुसलावती पत्नी रामअवध 5. राम किशोर 6. रामसूरत 7. कन्हैया पुत्रगण ओरी साकिन भादी बुजुर्ग तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

8. छोटेलाल पुत्र शिवमंगल 9. सुरेन्द्र कुमार 10. प्रमोद कुमार पुत्रगण बाबूराम साकिन भादी बुजुर्ग तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 26–11–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 26 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 12 माह 11 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

कार्यालय ग्राम पंचायत जुआजाता विकास खण्ड बहादुरपुर जनपद–बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता निविदा दिनाकः 20.11.2024 से 26.11.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 27.11.2024 दिन में 02:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनांक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–अनीता देवी	सचिव– रवि प्रकाश पाण्डेय
ग्राम पंचायत–जुआजाता	ग्राम पंचायत–जुआजाता
विकास खण्ड–बहादुरपुर, बस्ती	विकास खण्ड–बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /19.11.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत सेमरा उर्फ गलवा विकास खण्ड बहादुरपुर जनपद–बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता निविदा दिनाकः 20.11.2024 से 25.11.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 26.11.2024 दिन में 02:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनांक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–अनिल कुमार	सचिव– रवि प्रकाश पाण्डेय
ग्राम पंचायत–सेमरा उर्फ गलवा	ग्राम पंचायत–सेमरा उर्फ गलवा
विकास खण्ड–बहादुरपुर, बस्ती	विकास खण्ड–बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /19.11.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

कार्यालय ग्राम पंचायत रामपुर विकास खण्ड बहादुरपुर जनपद–बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता निविदा दिनाकः 20.11.2024 से 25.11.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 26.11.2024 दिन में 02:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनांक नियम व शर्ते एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–श्याम कुमार	सचिव– राजेन्द्र प्रसाद
ग्राम पंचायत–रामपुर	ग्राम पंचायत–रामपुर
विकास खण्ड–बहादुरपुर, बस्ती	विकास खण्ड–बहादुरपुर, बस्ती

पत्रांक मेमो /19.11.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

पुलिस पर भड़के सपा सांसद लालजी वर्मा बोले- लाल पर्ची देकर डराया जा रहा

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अंबेडकरनगर जिले में कटेहरी विधानसभा में उपचुनाव होना है। यहां से सपा सांसद लालजी वर्मा ने प्रशासन पर मतदाताओं को डराने का आरोप लगाया। सांसद ने अपनी सुरक्षा वापस कर दी है। उन्होंने एसपी को लिखे पत्र में कहा कि लाल पर्ची देकर मुस्लिम, कुर्मी, यादव मतदाताओं को डराया जा रहा है। यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए घातक है। पत्र में एसपी पर बीजेपी के पक्ष में काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आपने मुझे अतिरिक्त गनर देने की पेशकश की थी, उसकी जरूरत नहीं।मै अपना मौजूदा गनर भी छोड़ रहा हूं।

बाइक सवार की ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से मौत

संवाददाता–अयोध्या। एक तेज रफ्तार बाइक पर सवार युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा तारुन थाना क्षेत्र अंतर्गत चौकी रामपुर भगन स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने मंगलवार की सुबह 9रू00 बजे हुआ। बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने सड़क पर कार और बाइक सवार के बीच भिड़ंत हो गई । बाइक सवार सड़क पर गिर पड़ा । मौके से बगल से गुजर रही ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची तारुन पुलिस उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तारुन ले गई । जहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया । मृतक की पहचान दिवाकर निषाद पुत्र हरि बक्स उम्र 20 वर्ष निवासी केशरुवा बुजुर्ग के रूप में हुई है । जानकारी होने पर परिजन सीएचसी पर पहुंच गये ।

राष्ट्रीय लोक अदालत में कराएं मामलों का निस्तारण

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर के जिला जज अनिल कुमार वर्मा–प्रथम ने बताया कि 14 दिसम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में किसी भी न्यायालय अथवा विभागीय मामलों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराया जा सकता है। लोक अदालत में पक्षकार स्वयं उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र दे सकता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में सुलह योग्य फौजदारी मामले, दिवानी वाद, भरण पोषण वाद, मोटर अधिनियम वाद, स्टांप वादध पंजीयन वाद, चकबंदी वाद, श्रम वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, उपभोक्ता फोरम वाद, किराएदारी वाद, चेक बाउंस से संबंधित मामले, बैंक लोन मामले, उत्तराधिकार प्रमाण पत्र से संबंधित मामले, कराधान प्रकरण, बिजली चोरी से संबंधित शमनीय वाद, वन अधिनियम के मामले, पुलिस अधिनियम के अंतर्गत समनीय वाद, स्थाई लोक अदालत के मामले, गृह कर, जल कर, बाट माप अधिनियम के मामले, नगर पालिका–नगर निगम संबंधी मामले एवं स्थानीय विधियों के अंतर्गत सुलह योग्य वाद निस्तारित कराए जा सकते हैं।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com